



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 315]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 27, 2001/अग्रहायण 6, 1923

No. 315]

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 27, 2001/AGRAHAYANA 6, 1923

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 2001

विषय : यूरोपीय संघ के क्षेत्र और चीन जनवादी गणराज्य से कोलीन क्लोराइड के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच

सं. 59/1/2000.— 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

नीचे उल्लिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है :

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) को घरेलू उद्योग की ओर से मै. वैम आर्गेनिक कैमिकल्स लिमि. (जिसे आगे याचिकाकर्ता भी कहा गया है) जिसका पंजीकृत कार्यालय प्लॉट सं. 1ए, सेक्टर-16ए, इंडस्ट्रियूशनल एरिया, नोएडा-201301 में है, से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें यूरोपीय संघ के क्षेत्र और चीन जनवादी गणराज्य तथा यू.एस.ए. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कोलीन क्लोराइड (जिसे आगे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया था।
- (ii) याचिकाकर्ता द्वारा दायर आवेदन की प्रारंभिक जांच से कुछेक कमियों का पता चला था जिन्हें याचिकाकर्ता द्वारा बाद में ठीक कर दिया गया था। अतः याचिका को समुचित ढंग से प्रलेखित माना गया।
- (iii) प्राधिकारी ने प्राप्त हुए प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर यूरोपीय संघ के क्षेत्र और चीन जनवादी गणराज्य, (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) से संबद्ध वस्तु के आयातों के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्णय लिया। चूंकि याचिकाकर्ता द्वारा यू.एस.ए. से संबद्ध वस्तु के पाटन के संबंध में प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया जा सका इसलिए प्राधिकारी ने यू.एस.ए. से संबद्ध वस्तु के आयातों के खिलाफ कोई कार्रवाई शुरू नहीं की। प्राधिकारी ने नियमावली के उप नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले पाटन के आरोप के प्राप्त होने के बारे में नई दिल्ली स्थित यूरोपीय आयोग के शिफ्टमंडल तथा चीन जनवादी गणराज्य (जिन्हें आगे संबद्ध देशों के दूतावास भी कहा गया है) को सूचित किया।

- (iv) प्राधिकारी ने यूरोपीय संघ के क्षेत्र तथा चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1970 की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क कोड 2309.9001 तथा 2923.1001 के अंतर्गत वर्गीकृत संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में जांच शुरू करते हुए 6-12-2000 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया।
- (v) प्राधिकारी ने 22-2-2001 को प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित किए और प्रारंभिक जांच परिणामों की एक प्रति ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को भेजी जिससे अनुरोध किया गया था कि वे प्रारंभिक जांच परिणामों के संबंध में अपने विचार, यदि कोई हों, इस पत्र की तारीख के 40 दिनों के भीतर भेज दें।
- (vi) प्राधिकारी ने नई दिल्ली स्थित संबद्ध देशों के दूतावास को प्रारंभिक जांच परिणामों की एक प्रति इस अनुरोध के साथ भी भेजी कि संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों से ऊपर (v) में यथानिर्धारित अवधि के भीतर प्रारंभिक जांच परिणामों के बारे में अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए कहा जाए।
- (vii) प्राधिकारी ने नियम 6(2) के अनुसार सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध करवाए गए थे) और उद्योग/उपयोक्ता एसोसिएशनों को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया।
- (viii) प्राधिकारी ने 27-4-2001 को सभी हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। पार्टियों को विरोधी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों और खंडनों, यदि कोई हों, की प्रतियां प्राप्त करने के लिए कहा गया था।
- (ix) प्राधिकारी ने अनुरोध पर निरीक्षण हेतु सभी हितबद्ध पक्षों को वह सार्वजनिक फाईल उपलब्ध करवाई जिसमें विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत समस्त साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए थे।
- (x) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से अनुरोध किया गया था कि वे जांच अवधि समेत पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में किए गए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करें।
- (xi) प्रारंभिक जांच परिणामों की घोषणा से पूर्व हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों, जिन्हें अधिसूचित किए गए प्रारंभिक जांच परिणामों में प्रकाशित किया गया है को इसमें संक्षिप्तता के कारण दोहराया नहीं गया है। तथापि, हितबद्ध पार्टियों द्वारा बाद में दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक जांच परिणामों में और/अथवा इन जांच परिणामों में समुचित कार्यवाई की गई है।
- (xii) उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार का 8-11-2001 को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को खुलासा किया गया था। कुछेक हितबद्ध पार्टियों द्वारा समय-वृद्धि का अनुरोध किया गया था जिस पर प्राधिकारी ने विचार किया था और समय को 16-11-2001 तक बढ़ाने की अनुमति दी गयी थी। उस पर प्राप्त हुई टिप्पणियों पर भी इन जांच परिणामों में विधिवत् विचार किया गया है।
- (xiii) ***से इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पता चलता है और प्राधिकारी ने उसे नियमों के तहत गोपनीय ही माना है।
- (xiv) विचार की गई जांच अवधि 1-4-1999 से 30-9-2000 तक की है।

ख. घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों, उपयोक्ता एसोसिएशनों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार और प्राधिकारी द्वारा जांच

विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर प्रारंभिक जांच परिणामों में और प्रकटन विवरण पत्र में भी विचार-विमर्श किया गया है। जिन विचारों पर प्रारंभिक जांच परिणाम और प्रकटन विवरण पत्र में पहले विचार-विमर्श नहीं किया गया है और जिन्हें प्रकटन विवरण पत्र के उत्तर में अब व्यक्त किया गया है, पर उस सीमा तक नीचे दिए गए संगत पैराग्राफों में विचार-विमर्श किया जाता है, जिस सीमा तक ये नियमानुसार संगत हैं और इस मामले पर प्रभाव डालते हैं। हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों की जांच की गयी है, उन पर विचार किया गया है और जहां समुचित पाया गया है वहां नीचे दिए गए संगत पैराग्राफों में उन पर कार्यवाई की गयी है।

ग. 1. विचाराधीन उत्पाद

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के बारे में विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा निम्नलिखित तर्क दिए गए हैं :—

(क) मै. नव महाराष्ट्र चिकन ऑयल लिमिटेड

(1) कोलीन क्लोराइड एक अनुपूरक है न कि आहार

यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि कोलीन क्लोराइड आहार नहीं है बल्कि कुक्कुट आहार में एक अनुपूरक है। इसका मुख्य उद्देश्य उत्पन्न हुए अल्फो टॉक्सिन का मुकाबला करना है और इस प्रकार चिकन लीवर पर दबाव को कम करना है।

ख. घरेलू उद्योग

- (i) क्या कोलीन क्लोराइड आहार अभिवर्द्धक है अथवा आहार अनुपूरक, यह स्पष्ट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद कोलीन क्लोराइड है और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद आयात किए जा रहे उत्पाद के समान वस्तु है। इस पहलू पर कोई विवाद ही नहीं है। ऐसा मामला होने के कारण आयातक द्वारा उल्लिखित उक्त भेद का मुश्किल से ही चल रही जांच में कोई परिणाम निकलता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों को नोट करते हैं और यह भी नोट करते हैं कि यद्यपि कोलीन क्लोराइड आहार अनुपूरक है तथापि, इसे कोलीन क्लोराइड के नाम से जाना जाता है और इस प्रकार इस नामावली के बारे में कोई विवाद नहीं है। अतः प्राधिकारी इस बात को नोट करते हुए कि विचाराधीन उत्पाद के बारे में कोई अन्य विवाद नहीं है और यह कि किसी भी हितबद्ध पार्टी ने प्रकटन विवरण पत्र के उत्तर में कोई मुद्दा नहीं उठाया है, प्रारंभिक जांच परिणामों के पैरा ग(1) में यथा स्पष्ट विचाराधीन उत्पाद की निम्नानुसार पुष्टि करते हैं :

“वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद कोलीन क्लोराइड है जो मिश्रित पशु आहार का एक प्रकार है तथा क्वाटरनरी अमोनियम कम्पाउंड है जो रंगहीन, लसलसा एवं अत्यधिक अल्कालिन है।

उत्पाद का उल्लेख आमतौर पर बी कॉम्प्लेक्स विटामिन के रूप में किया जाता है जो मूलतः कुक्कुट आहार अनुपूरक है। इस उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 23 (2309.9001) के अंतर्गत और अध्याय 29 (2923.1001) के अंतर्गत तरल कोलीन क्लोराइड के रूप में भी वर्गीकृत किया जाता है। विनिर्माण प्रक्रिया निम्नानुसार है :—

इस उत्पाद का विनिर्माण त्रिस्तरीय बैच प्रक्रिया में किया जाता है जिसमें ट्रिमेथाइल अमीन हाइड्रोक्लोराइड बनाने के लिए ट्रिमेथाइल अमीन के साथ हाइड्रोक्लोराइड एसिड को निष्प्रभावी किया जाता है। तत्पश्चात् कोलीन क्लोराइड विलयन तैयार करने के लिए ट्रिमेथाइल अमीन हाइड्रोक्लोराइड में एथिलीन ऑक्साइड को मिलाया जाता है। तत्पश्चात् उस विलयन को निर्वात में पूर्व निर्धारित प्रतिशत के विलयन तक सान्द्रित किया जाता है। शुष्क कोलीन क्लोराइड का उत्पादन बैच चार तरल कोलीन क्लोराइड में ठोस कैरियरों को मिलाकर किया जाता है। इस मिश्रण को तत्पश्चात् रोटरी ड्रायर में भर दिया जाता है जिसे निरार्द्र कर दिया जाता है। तत्पश्चात् इसे रोटरी कूलर में भरा जाता है ताकि उसका तापमान वायुमंडलीय तापमान के अनुरूप लाया जा सके। अंत में शुष्क कोलीन क्लोराइड को मिल करके थैलों में भर दिया जाता है।

इस्तेमाल किया गया कैरियर सामान्यतः सिलिका, कार्न काब पाउडर अथवा कृषि अपशिष्ट सामग्रियों से प्राप्त इसी प्रकार का शोषक पाउडर होता है। कैरियर का इस्तेमाल केवल उत्पाद कोलीन क्लोराइड के वहन में किया जाता है। उत्पाद की वाणिज्यिक नामावली प्रयुक्त कैरियर और कोलीन के सान्द्रण पर निर्भर करती है। यदि प्रयुक्त कैरियर कार्न काब है तो उत्पाद को वाणिज्यिक रूप से कोलीन क्लोराइड कार्न काब वेम के नाम से जाना जाता है। यदि प्रयुक्त कैरियर वनस्पति है तो इसे कोलीन क्लोराइड वनस्पति आधार वाला कहा जाता है। प्रयुक्त कैरियर के साथ-साथ कोलीन क्लोराइड के सान्द्रण का भी सामान्यतः उल्लेख किया जाता है यदि सान्द्रण 50 प्रतिशत कोलीन क्लोराइड है तो इसे कोलीन क्लोराइड 50 प्रतिशत कार्न काब (अथवा वनस्पति) आधारित कहा जाता है। कोलीन क्लोराइड के विभिन्न ग्रेड हैं— कार्न काब कैरियर पर कोलीन क्लोराइड, सिलिका कैरियर पर कोलीन क्लोराइड और एक्वस कोलीन क्लोराइड।

यह उत्पाद ओ जी एल में आता है और इस पर 10 प्रतिशत के अधिभार सहित 35 प्रतिशत का मूल शुल्क लगता है। वर्तमान जांच में कोलीन क्लोराइड के समस्त प्रकार, स्वरूप और ग्रेड शामिल हैं भले ही इसका सान्द्रण और प्रयुक्त कैरियर कुछ भी हो।”

2. घरेलू उद्योग की स्थिति

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्रकटन विवरण पत्र के उत्तर में घरेलू उद्योग की स्थिति के बारे में कोई अनुरोध नहीं किया गया है और इसलिए वह 22-2-2001 के प्रारंभिक जांच परिणामों के पैरा ग(3) का स्मरण करते हैं और उसकी निम्नानुसार पुष्टि करते हैं :—

यह याचिका मै. वैम आर्गेनिक कैमिकल्स लिमिटेड द्वारा दायर की गयी है जिसका पंजीकृत कार्यालय प्लॉट नं. 1ए, सेक्टर 16ए, इंडस्ट्रियल एरिया, नोएडा-201301 में स्थित है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तु का एक प्रमुख उत्पादक है जो कुल घरेलू उत्पादन के लगभग 70 प्रतिशत का उत्पादन करता है और इसलिए वह नियम 5(क) और (ख) और नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने के आधार की पुष्टि करते हैं।

3. समान वस्तु

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्रारंभिक जांच परिणाम अथवा प्रकटन विवरण के उत्तर में किसी हितबद्ध पक्ष द्वारा समान वस्तु के मुद्दे पर कोई विवाद नहीं किया गया है और कोई अनुरोध नहीं किया गया है। इसलिए, प्राधिकारी निम्नानुसार, प्रारंभिक जांच परिणामों के पैरा ग(2) को दोहराते हैं और उसकी पुष्टि करते हैं।

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित और सीमाशुल्क टैरिफ द्वारा शीर्ष संख्या 2309.9001 तथा 2923.1001 के अंतर्गत वर्गीकृत वस्तुओं का कोई प्रतिस्थापन नहीं है और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों द्वारा निर्यातित कोलीन क्लोराइड में कोई खास अंतर नहीं है। इस उत्पाद के उपभोक्ता अपनी उत्पादन प्रक्रिया में कोई परिवर्तन किए बिना दोनों उत्पादों का उपयोग कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त याचिकाकर्ता की सूचना के अनुसार याचिकाकर्ता तथा संबद्ध देशों के उत्पादक द्वारा अपनायी जा रही उत्पादन की प्रक्रिया में कोई खास अंतर नहीं है। प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि सहयोगी निर्यातक मै. आकजो नोबल कैमिकल्स एस पी ए तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों अर्थात् आयातकों/उपभोक्तकों ने इस मुद्दे पर कोई विवाद नहीं उठाया है। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि घरेलू वस्तु और संबद्ध देशों से आयातित वस्तु को समान वस्तु के रूप में माना जाना चाहिए। इसलिए, प्राधिकारी यह निर्णय देते हैं कि संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तु नियम 2(घ) के अंतर्गत समान वस्तु हैं।

4. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं—

(क) घरेलू उद्योग

- (i) मै. अकजो नोबल कैमिकल्स के लिए पाटन मार्जिन काफी कम है और यह कि उत्तर अधूरा तथा अपर्याप्त है। निर्यातक ने उत्पादन लागत के ब्यौरे उपलब्ध नहीं करवाए हैं। निर्यातक ने ऋण लागत पर किसी समायोजन का दावा नहीं किया है जिसकी प्राधिकारी ने अनुमति प्रदान की है। निर्यातकों के समूचा उत्तर अस्वीकार किए जाने योग्य है। मै. अकजो नोबल कैमिकल्स के पाटन मार्जिन का निर्धारण यूरोपीय संघ के अन्य निर्यातकों के लिए किए गए अनुसार किया जाना चाहिए। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य के उन निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पाटन का निर्धारण किया है जिन्होंने सहयोग नहीं किया है जो कि पूरी तरह से न्यायोचित है।

(ख) मै. अकजो कैमिकल्स एस पी ए, इटली तथा मै. अकजो नोबल फंक्शनल कैमिकल्स बी वी नीदरलैंड (अकजो नोबल) ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :—

- (i) मै. अकजो नोबल कैमिकल्स गौण स्रोत के आधार पर यूरोपीय संघ में कोलीन क्लोराइड की बिक्री कीमत निर्धारित करने के तरीके पर कड़ा विरोध करते हैं जबकि मै. अकजो नोबल कैमिकल्स ने अपनी बिक्री कीमत के साक्ष्य उपलब्ध करवाए हैं और उसके विचार में उत्पादक ही सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए सबसे विश्वसनीय स्रोत हैं।
- (ii) इस अनुच्छेद में उल्लिखित स्रोत से यूरोपीय संघ में कोलीन क्लोराइड की बिक्री कीमत के बारे में किसी सूचना का पता नहीं लगता है अर्थात् एक थोक विक्रेता अथवा अन्य विशेष प्रबंध होने के कारण हुई घटोतरी।
- (iii) जैसा कि अधिसूचना में दर्शाया गया है मै. अकजो नोबल से भारत को हुए निर्यातों के लिए ऋण लागत का संदर्भ घरेलू बिक्रियों के लिए ब्याज की स्थानीय भारतीय दर के लिए लिया गया है। हम इस आकलन का विरोध करते हैं क्योंकि यूरोपीय संघ में वित्त ऋण लागत की शर्तें भारत के स्तर से काफी कम हैं। यदि अपेक्षित हो तो मै. अकजो नोबल द्वारा गोपनीय आधार पर अपनी वित्त ऋण लागत की शर्तों को प्रकट कर दिया जाएगा। मै. अकजो नोबल ने भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से कहा है वह ऋण लागत निर्धारित करने के लिए किए गए आकलन को प्रकट करें ताकि वह उसकी तुलना अपने आकलन के साथ कर सके। इससे हितबद्ध पक्ष तथ्यपरक निर्णय लेने में समर्थ होंगे। मै. अकजो नोबल ने एक थोक विक्रेता होने के नाते भारत में अपने ग्राहकों के लिए बिक्री कीमत में अपने समायोजन की पुष्टि की है। मै. अकजो नोबल ने एक हस्ताक्षरित विवरण-पत्र में सामान्यतः वितरकों के लिए कीमत निर्धारण संबंधी कार्य नीति का स्पष्ट उल्लेख किया है। थोक विक्रेताओं के लिए समायोजनों का अस्वीकृति प्रमाणित नहीं होने से इसे मै. अकजो नोबल द्वारा स्वीकृत नहीं किया जा सकता है।
- (iv) मै. अकजो नोबल ने घरेलू बाजार में एक ग्राहक के साथ अपना कीमत संबंधी प्रबंध की व्यवस्था की है।

(ग) मै. कम्पाउंड लाइवस्टाक फीड मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन, मै. पॉलट्री फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा मै. नव महाराष्ट्र चकन आयल मिल्स लिमिटेड

- (i) मै. नव महाराष्ट्र चकन आयल मिल्स लिमिटेड रिकार्ड में यह दर्ज करना चाहते हैं कि यूरोप से पूरे और मुकम्मल ब्यौरे उपलब्ध करवाए गए हैं। जिन कीमतों पर भारत को कोलीन क्लोराइड का निर्यात किया जा रहा है वे वैश्विक कीमतों से तुलनीय हैं। भारत में कोलीन क्लोराइड का पहुँच मूल्य उस कीमत से 50 प्रतिशत अधिक है जिस पर यह अंतर्राष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध है।

- (ii) यदि किसी कारण से, प्राधिकारी यह समझते हैं कि ये आंकड़े लागू कानून के अनुसार नहीं हैं तो यह अनुरोध किया जाता है कि नियम 6(8 ख) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना का उपयोग किया जाए।
- (iii) मै. नव महाराष्ट्र चकन आयल मिल्स लिमिटेड असहयोगी निर्यातकों का पक्ष लेने के लिए माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी से न तो क्षमा याचना कर रहे हैं और न ही कोई पूछताछ कर रहे हैं। लेकिन कानून के तहत आयातक एवं उपयोक्ता उद्योग को सामान्य मूल्य के संबंध में सूचना उपलब्ध कराने की अनुमति नहीं है इसलिए केवल याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध करवाए गए आंकड़ों का उपयोग करना घरेलू उद्योग के लिए अनुचित है अथवा डब्ल्यू टी ओ के विपरीत भी है जिनमें निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा दायर आंकड़ों का उपयोग करते समय सतर्कता बरतने का उल्लेख है।
- (iv) अंतर्राष्ट्रीय कीमत में कमी पाटन के कारण नहीं हुई है बरन कोलीन क्लोराइड की उत्पादन लागत में कमी के कारण हुई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

सामान्य मूल्य

मै. अकजो नोबल कैमिकल्स एस पी ए, इटली तथा मै. अकजो नोबल फंक्शनल कैमिकल बी वी नीदरलैंड (अकजो नोबल)

प्राधिकारी विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा उपर किए गए अनुरोधों को नोट करते हैं। प्राधिकारी स्मरण करते हैं कि प्रारंभिक जांच परिणामों के पैरा 4 (क) में यह दर्शाया गया है कि निर्यातक मै. अकजो नोबल की घरेलू कीमतों को केवल प्रारंभिक निर्धारण के उद्देश्य से अंतिम निर्धारण होने तक व्यापार के सामान्य स्वरूप में लिया जा रहा है। प्राधिकारी ने पाटनरोधी निदेशालय के अधिकारियों के एक दल को घरेलू बिक्री कीमत, उत्पादन लागत तथा निर्यात कीमत एवं उन पर समायोजनों के संबंध में मै. अकजो नोबल द्वारा दायर उत्तर की जांच करने के लिए भेजा था। प्राधिकारी ने जांच दल को उपलब्ध करवाई गई संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के आधार पर यह नोट करते हैं कि घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री कीमत व्यापार के सामान्य स्वरूप में हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि मै. अकजो नोबल ने अपनी घरेलू बिक्रियों पर 60 दिनों के ऋण के लिए ऋण लागत लगायी है और उसने अपनी घरेलू बिक्री पर भाड़ा लागत भी लगायी है। प्राधिकारी ने ऋण लागत और भाड़े पर क्रमशः अमरीकी डालर प्रति मी. टन तक समायोजनों की अनुमति प्रदान की है। तथापि प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्यातक द्वारा घरेलू बाजार में अपने एजेंट को दिए गए कमीशन पर हुए किसी खर्च के संबंध में कोई साक्ष्य न उपलब्ध करवाए जाने की स्थिति में घरेलू बिक्री के संबंध में कमीशन पर किसी समायोजन की अनुमति प्रदान नहीं की जा सकती है। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के उद्देश्य से घरेलू बिक्री कीमतों का संदर्भ लिया है। उपरोक्त समायोजनों पर विचार करने के पश्चात् सामान्य मूल्य अमरीकी डालर प्रति मी. टन बनता है।

जहां तक निर्यात कीमत का संबंध है प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्यातक द्वारा दिए गए आंकड़ों के आधार पर भारत के लिए भारित औसत सी आई एफ कीमत अमरीकी डालर प्रति मी. टन बनती है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्यातक ने भाड़े, (समुद्री भाड़े, स्वदेशी भाड़े तथा अन्य पत्तन खर्च) दिल्ली में उनके एजेंट के लिए कमीशन, समुद्री बीमा तथा उनके निर्यात बीजकों में दर्शाए अनुसार 120 दिन की अवधि तक ऋण लागत के संबंध में खर्च किया है। प्राधिकारी ने क्रमशः , तथा अमरीकी डालर प्रति मी. टन तक इन तत्वों पर विचार कर समायोजनों की अनुमति प्रदान की है। इन समायोजनों की अनुमति प्रदान करने के पश्चात् कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत अमरीकी डालर प्रति मी. टन बनती है।

असहयोगी निर्यातक

प्रकटन विवरण पत्र के उत्तर में मै. नव महाराष्ट्र चकन ऑयल मिल्स तथा मै. कम्पाउंड लाइव स्टाक फीड मैन्यूफैक्चरर्स एशोसिएशन (जिसका आगे हितबद्ध विरोधी पार्टी के रूप में उल्लेख किया गया है) ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं। हालांकि ये अनुरोध अंतिम तिथि अर्थात् 16-11-2001 के समाप्त हो जाने के पश्चात् 19-11-2001 को किए गए हैं, फिर भी उन पर विचार किया गया है और उन पर समुचित रूप से कार्यवाही की गई है।

क. असहयोगी निर्यातकों के लिए ई यू में सामान्य मूल्य का निर्धारण

प्रारंभ में हितबद्ध विरोधी पार्टियां पाटनरोधी नियमों के नियम 6(5) के अनुसार अनुरोध करना चाहेंगी, हितबद्ध विरोधी पार्टियों को अन्य बातों के साथ-साथ पाटन के संबंध में सूचना देने की अनुमति दी जाती है। इस प्रावाधान के आधार पर हितबद्ध विरोधी पक्षों ने कहा है कि अगर निर्दिष्ट प्राधिकारी नियमों के नियम 6(8) पर भरोसा करते हैं तो निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास उपलब्ध सभी संबद्ध सूचना पर विचार करने की जरूरत है जिसमें अंशतः सहयोगी निर्यातकों द्वारा मुहैया कराई गई सूचना भी शामिल है।

यह कहा गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को मै. एजो नोबल के लागत आधार को ई यू के असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजन से आधार के रूप में मानना चाहिए। सहयोगी और असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन में 100% से अधिक के अंतर से उपभोक्ता उद्योग दंडित होता है।

इसके अलावा, नियम 6(8) के सर्वोत्तम साक्ष्य के तहत ईयू में कच्ची सामग्री की लागत "उस सीमा तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्ची सामग्री की कीमतें नहीं होगी जिस सीमा तक वे उपलब्ध हैं और घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए उत्पादन लागत संबंधी व्यौरों में उपलब्ध है और उनमें सर्वोत्तम परिपाटी के आधार पर समायोजन किया गया है" जैसा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उल्लेख किया गया है। वस्तुतः कच्ची सामग्री की कीमत का निर्धारण मै. अक्सो नोबल के पास ईयू में उपलब्ध और उनके द्वारा अपनाई गई विनिर्माण प्रक्रियाओं के अनुसार किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

जहाँ तक यूरोपीय संघ क्षेत्र के अन्य निर्यातकों/उत्पादकों और चीन जनवादी गणराज्य के सभी निर्यातकों/उत्पादकों का संबंध है जिन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया है। प्राधिकारी ने उनके लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण याचिकाकर्ता द्वारा गौण स्रोत से मुहैया कराई गई सूचना का संदर्भ लेकर और ऐसे परिकलित सामान्य मूल्य के आधार पर किया गया है जिसका परिकलन उपलब्ध सूचना के आधार पर कच्ची सामग्री की कीमतों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लेकर तथा याचिकाकर्ता द्वारा मुहैया कराई गई उत्पादन लागत के व्यौरों को सर्वोत्तम परिपाटी के आधार पर समायोजनों के बाद किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. नव महाराष्ट्र चकन ऑयल मिल्स और मै. कम्पाउंड लाइवस्टॉक फीड मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा किए गए उक्त अनुरोधों में नियम 22 के प्रावधानों को दोराया गया है जिसमें किसी नए निर्यातक को उस स्थिति में नई पोतलदान समीक्षा के लिए आवेदन करने की अनुमति दी जाती है अगर जांच के दौरान उसका मूल्यांकन नहीं किया गया है। इस प्रकार के निर्यातकों से इतर किसी असहयोगी निर्यातक के मामले में प्राधिकारी पाटनरोधी नियमों के प्रावधानों के अनुसार 6(8) के अन्तर्गत सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर विचार कर सकता है।

प्राधिकारी दिनांक 2-2-2001 के प्रारंभिक जांच परिणाम के पैरा ग(1) (ii) में यथा उल्लिखित और नीचे यथावर्णित प्रक्रिया की पुष्टि करते हैं :—

(क) मै. अग्नो नोबल कैमिकल्स एसपीए इटली और मै. अग्नो नोबल फंक्सनल कैमिकल्स बीबी नीदरलैंड को छोड़कर अन्य असहयोगी निर्यातक

(क) सामान्य मूल्य

प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने यूरोपीय क्षेत्र में घरेलू बिक्री कीमतों के लिए गौण स्रोत का साक्ष्य उपलब्ध कराया है। चूंकि केवल एक निर्यातक ने उत्तर दिया है इसलिए प्राधिकारी ने सहयोगी निर्यातक से इतर सभी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजन से गौण स्रोत का सहारा लेना उचित माना है। ऐसे निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य डालर/मी. टन निकाला गया है।

(ख) कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत

प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने जांच अवधि में भारत के लिए संबद्ध वस्तुओं के महाषार सीआईएफ निर्यात कीमतों और मात्राओं के व्यौरों प्रस्तुत किए हैं। याचिकाकर्ता ने समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अन्तर्राष्ट्रीय भाड़ा, पत्तन पर रख-रखाव के लिए कमश: और डालर/मी. टन के समायोजनों की मांग की है। औसत सीआईएफ कीमतों और समुद्री भाड़ा को छोड़कर जिसके लिए सहयोगी निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों को संदर्भ में लिया गया है। याचिकाकर्ता द्वारा यथा उल्लिखित समायोजनों पर विचार करने के बाद असहयोगी निर्यातकों के लिए कारखाना द्वार पर भारत औसत निर्यात कीमत डालर/मी. टन निकलती है।

(ख) चीन जनवादी गणराज्य का असहयोगी निर्यातक/उत्पादक

(i) मै. थिजिंग एग्नो नोबल सानयूआन कैमिकल्स कं. लिमिटेड दुशान, चीन जनगण

प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने सूचित किया है कि उन्होंने जांच अवधि में भारत में संबद्ध वस्तु का कोई निर्यात नहीं किया है। इसलिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमों का नियम 22 उपरोक्त निर्यातक के लिए लागू होगा। निर्यातक को नियमों के अनुसार आवेदन करना चाहिए। तब तक नियम 22 के तहत उनके मामले की समीक्षा की जाती है। वह नीचे पैरा (ग) में सभी निर्यातकों/उत्पादकों की श्रेणी में आएंगे।

(ग) सभी निर्यातक/उत्पादक

(क) सामान्य मूल्य

प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी निर्यातक/उत्पादक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। प्राधिकारी निर्यातकों/उत्पादकों के उत्तर के अभाव में ऐसे निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन करना उचित मानते हैं। सामान्य मूल्य के परिकलन के प्रयोजन से प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत पर विचार करके और क्षमता उपयोग के लिए समुचित समायोजन करके तथा सर्वोत्तम उपयोगिता प्रक्रियाओं व कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों की बेंच मार्किंग करके सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना का सहारा लिया है। भारत औसत सामान्य मूल्य डालर/मी. टन निकलता है।

(ख) कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत

प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने जाँच अवधि में चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के लिए भारत औसत सीआईएफ कीमत उपलब्ध कराई है। याचिकाकर्ता ने समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अन्तर्राष्ट्रीय भाड़ा, पत्तन पर रख-रखाव के लिए क्रमशःऔर डालर/मी. टन समायोजनों का भी दावा किया है। कारखाना द्वार पर भारत औसत निर्यात कीमत ... डालर/मी. टन मानी गई है।

5. पाटन: सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना

तुलना से संबंधित नियम में निम्नानुसार प्रावधान है :

पाटन मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के उम्मी स्तर पर सामान्यतः कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी। अंतर में शामिल हैं बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, वास्तविक विशेषताएं तथा अन्य अंतर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।

प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का मूल्यांकन करने के लिए भारत औसत सामान्य मूल्य की तुलना भारत औसत कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत के साथ की है।

संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:—

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य (डालर/मी. टन)	निर्यात कीमत (डालर/मी. टन)	पाटन मार्जिन (%)
यूरोपीय संघ का क्षेत्र			
मै० एग्जो नोबल कैमिकल्स	19.09
एसपीए इटली और मै० एग्जो नोबी फंक्सनल कैमिकल्स बीबी, नीदरलैण्ड	49.46
चीन जनवादी गणराज्य			
सभी निर्यातक/उत्पादक	81.86
उपरोक्त पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक हैं।			

6. क्षति और कारणात्मक संबंध

उपरोक्त नियम-11, अनुबंध-II के अंतर्गत जब क्षति के बारे में निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में मूल्यों पर उनका प्रभाव, ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामकारी प्रभावों समेत सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा। मूल्यों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच करनी आवश्यक समझी जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों से मूल्यों में पर्याप्त गिरावट आई है अथवा क्या अन्यथा ऐसे आयातों का उद्देश्य मूल्यों को काफी हद तक कम करना है अथवा ऐसी मूल्य वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी हद तक बढ़ गयी होती।

भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमों के अनबंध-II(IV) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन जैसे संकेतों पर विचार किया जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं।

विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गये हैं :—

क. घरेलू उद्योग

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यूरोपीय संघ और चीन से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को पहले ही मान लिया है। हमने निर्दिष्ट प्राधिकारी को विस्तृत सूचना पहले ही उपलब्ध करा दी है जिसे संक्षिप्तता के कारण यहां पुनः प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है, जिससे यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

(ii) निम्नलिखित मापदण्डों से संक्षेप में घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चलता है:—

(क) प्रत्येक संबद्ध देश से हुए आयात न्यूनतम से अधिक हैं।

(ख) अप्रैल, 99 से जून, 2000 तक की अवधि के दौरान आयात केवल संबद्ध देशों से हुए थे।

(ग) संबद्ध देशों से हुए आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है।

(घ) संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है जिनका संबंध भारत में कोलीन क्लोराइड की खपत से है। आयातों और मांग में संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

(ङ) संबद्ध देशों से निर्यात की कीमत में भारी गिरावट आई है।

(च) यद्यपि याचिकाकर्ता अपने उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग को बनाए रखने में समर्थ रहे हैं तथापि, मांग में उनके हिस्से में आनुपातिक वृद्धि नहीं हुई है।

(छ) घरेलू उद्योग को उत्पादन लागत में वृद्धि के बावजूद अपनी कीमतों कम करने के लिए बाध्य किया गया है। आयातों से भारतीय बाजार में भारी कीमत कटौती हो रही है। आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है।

(ज) आयातित सामग्री की पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और उचित बिक्री कीमत से काफी कम रहा था और उससे उद्योग को अपनी उत्पादन लागत प्राप्त करने से रोका गया है।

(iii) समस्त मापदण्ड संचयी और सामूहिक रूप से यह प्रमाणित करते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से वास्तविक क्षति हुई है।

पूर्वोक्त को देखते हुए अनुरोध है कि क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करना अपेक्षित है।

ख. मैसर्स आकजो नोबल

I. मैसर्स आकजो नोबल उन आंकड़ों की विश्वसनीयता पर कड़ी आपत्ति प्रकट करते हैं जिनका इस्तेमाल जांच के कुछ हिस्सों में किया गया है। यह कहा गया है कि यूरोपीय संघ से हुए आयात 1998-99 में 1.22 एम.टी. से बढ़कर जांच अवधि में 636 एम.टी हो गए हैं। जैसाकि निर्यात संबंधी आंकड़ों में दर्शाया गया है कि मै० आकजो नोबल से 1998-99 में हुए आयात उल्लिखित मात्रा से अधिक रहे हैं। इसका अर्थ यह है कि आयातों की मात्रा में वृद्धि और बाजार हिस्से में उसकी वृद्धि सही नहीं है। परिणामतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति उतनी अधिक नहीं है जितनी की जांच परिणामों में दर्शाई गई है।

II. की गई टिप्पणियों के आधार पर हम केवल यह मत व्यक्त कर सकते हैं कि कोलीन क्लोराइड पर पाटनरोधी शुल्क की जांच करने का निर्णय अविश्वसनीय और यहां तक कि गलत सूचना पर आधारित है।

III. इस कारण से मै० आकजो नोबल भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से यथा घोषित पाटनरोधी उपायों की जांच पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करते हैं। साथ ही साथ मै० आकजो नोबल संगत अंतर्राष्ट्रीय संधियों के तहत इस मामले में अपनी स्थिति की जांच करेंगे।

IV. तथापि, याचिकाकर्ता की सही स्थिति का पता लगाने के लिए मै० एनीकैम या आमेलेन से पूर्व पशु आहार का विनिर्माण करने वाली अन्य सभी कंपनियों/प्रभागों के खातों का विश्लेषण करने की जरूरत है। क्षति वित्तीय खातों से स्पष्ट नहीं होती है प्रत्युत उच्च लाभ विद्यमान है। सादर अनुरोध है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी इसकी विस्तृत जांच करें।

इसके अलावा, प्रारंभिक जांच परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने नियमानुसार क्षति एवं कारणात्मक संबंध के सभी मापदण्डों पर विचार नहीं किया है। इस संबंध में बैड-लिनेन मामले में डब्ल्यू टी ओ का निर्णय प्रासंगिक है। यह उल्लेखनीय है कि पैनेल ने भारत सरकार के इस दृष्टिकोण को बरकरार रखा था कि क्षति से संबंधित किसी जांच-परिणाम में पाटन संबंधी करार में निहित सभी मापदण्डों पर विचार करने की जरूरत है। यह समुचित और औचित्यपूर्ण है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इसका अनुपालन किया जाए यद्यपि ऐसा करना निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए बाध्यकारी नहीं है।

उपरोक्त अनुरोधों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी निम्नानुसार अभिमत व्यक्त करते हैं-

(i) प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का आयात सीमा शुल्क टैरिफ शीर्ष 2309.1001 के तहत "मिश्रित पशु-आहार" के रूप में और शीर्ष 2923.1001 के तहत "तरल कोलीन क्लोराइड" के रूप में किया जाता है। "मिश्रित पशु आहार" की सूची व्यापक है और सामान्य वर्गीकरण में संबद्ध वस्तु से इतर उत्पाद भी शामिल हैं। चूंकि, जांच अवधि में संबद्ध वस्तु के केवल कुछ ही प्रमुख आयातक हैं इसलिए प्राधिकारी ने कुल आयातों का मूल्यांकन करने के लिए मै० आकजो नोबल द्वारा यथा-प्रदत्त निर्यात संबंधी आंकड़ों और याचिकाकर्ता द्वारा प्रदत्त गोण स्रोत के पत्तन-वार आयात आंकड़ों का संदर्भ लिया है। इस संबंध में प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि मै० आकजो नोबल ने अपने उत्तर में यह उल्लेख किया है कि आयातों की मात्रा को उनके द्वारा उपलब्ध किए गए आंकड़ों से सह-संबद्ध किया जा सकता है।

(ii) प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जनवादी गणराज्य से आयात 1998-99 में 4 एमटी से बढ़कर जांच अवधि में 25 एम टी (वार्षिक-16.7 एम टी) हो गए हैं। यूरोपीय संघ के क्षेत्र से हुए आयात 1998-99 में लगभग 115 एमटी से बढ़कर जांच अवधि में लगभग 343 एम टी (वार्षिक 228 एम टी) हो गए हैं। जांच अवधि के कुल आयातों में चीन जनवादी गणराज्य से हुए आयातों का प्रतिशत लगभग 6.67% बनता है जबकि यूरोपीय संघ के क्षेत्र से हुए आयातों का प्रतिशत लगभग 83% बनता है।

(3) याचिकाकर्ता की बिक्रियां 1997-98 में 852 एम टी से बढ़कर जांच अवधि में 3974 एम टी (2650 एम टी वार्षिक) हो गई हैं। याचिकाकर्ता का बाजार हिस्सा 41.28% से बढ़कर जांच अवधि में 62.6% हो गया है। उत्पादन भी 1997-98 में 1196 एम टी से बढ़कर 1998-99 में 2792 एम टी और जांच अवधि में आगे और बढ़कर 3834 एम टी हो गया है। क्षमता आयोग भी 1997-98 में 11.97% से बढ़कर जांच अवधि में 33.15% हो गया है।

(4) कोलीन क्लोराइड की मांग 1997-98 में लगभग 2064 एम टी से बढ़कर जांच अवधि में लगभग 6348 एम टी हो गई है। अतः मांग घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं रही है।

(5) यद्यपि, याचिकाकर्ता बाजार हिस्से, उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई है तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से पाटिल आयातों, जिससे कीमतें अलाभकारी रही हैं और परिणामस्वरूप वित्तीय घाटा हुआ है, के कारण कीमत ह्रास की वजह से जांच अवधि में याचिकाकर्ता को क्षति रहित कीमत से कम कीमत पर संबद्ध वस्तु की बिक्री करने के लिए बाध्य करने के लिए बाध्य किया गया है।

उपरोक्त कारकों से सामूहिक और संचयी रूप से यह पता चलता है कि पाटिल आयातों की वजह से भारतीय बाजार में घरेलू कीमतें कम रहीं हैं जिसके कारण कम निवल बिक्री प्राप्ति के रूप में घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। जिससे वित्तीय घाटा हुआ है।

7. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

क. घरेलू उद्योग

निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं—

(1) भारत में कुक्कुट उत्पादन की स्थिति और प्रस्तावित उपायों का प्रभाव

याचिकाकर्ता द्वारा दिया गया समग्र तर्क कुक्कुट उद्योग के सामने आ रही समस्याओं और सरकार द्वारा हाल ही में उठाए गए उदारीकरण के कदम से इस उद्योग को होने वाली क्षति के खतरे से संबंधित है।

हमारा अनुरोध है कि घरेलू उद्योग का संपूर्ण तर्क मानने योग्य नहीं है क्योंकि मुद्दा वर्तमान के दायरे में नहीं आता है। वर्तमान मामले में जांच कोलिन क्लोराइड के संबंध में है न कि कुक्कुट पालन उद्योग के संबंध में।

उपरोक्त के होते हुए भी हमारा अनुरोध है कि पाटनरोधी शुल्क को लगाने से कुक्कुट पालन व्यवसाय प्रभावित नहीं होगा, तथापि, इससे कोलिन क्लोराइड उद्योग को जीवित रखा जा सकेगा जैसे कि नीचे की गई सारणी से पता चलता है :

आहार में प्रतिटन कोलिन क्लोराइड की सिफारिश की गई मात्रा	500 ग्रा.
चिकन के जीवन चक्र के दौरान उपयुक्त आहार	3 किग्रा.
चिकन का भार	1.5 किग्रा.
प्रति किग्रा. चिकन द्वारा उपयुक्त मात्रा	2 किग्रा.
प्रति किग्रा. चिकन द्वारा उपयुक्त कोलिन क्लोराइड	1 ग्राम
चिकन की लागत पर पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव (यूरोपीय संघ के उत्पाद पर 272 डॉलर/टन न विचार करते हुए)	1.2 पैसे
प्रति किग्रा. चिकन की लागत	20 रु.
चिकन की बिक्री कीमत	40 रु./किग्रा.

उपरोक्त से यह स्पष्ट होता है कि चिकन पर पाटनरोधी शुल्क से 1.2 पैसे का प्रभाव पड़ेगा जो कि न्यूनतम है। जब प्रस्तावित उपायों का प्रभाव इतना कम है, तब यह तर्क बमुश्किल दिया जा सकता कि उपभोक्ताओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

(2) सार्वजनिक हित

सार्वजनिक हित के संबंध में यह अनुरोध है कि सी ए एम द्वारा उत्पादन शुरू करने से पहले कोचिन क्लोराइड की कीमतें भारत में काफी अधिक थी। वस्तुतः जैसा कि याचिका में भी तर्क दिया गया है निर्यात कीमत में गिरावट आई है जैसा कि नीचे की सारणी में से पता चलता है :

वर्ष	अमरीकी डालर प्रति मी. टन
1997-98	734.99
1998-99	699.34
1999-2000	606.44
2000-01 *	570.11

वी ए एम द्वारा उत्पादन शुरू करने से पहले कोलिन क्लोराइड की बाजार कीमत काफी अधिक 70 रुपए थी। निर्यात कीमत में अत्यधिक गिरावट संबंधित वस्तु के उत्पादन में वी ए एम के आने के कारण आई है। इस प्रकार यह उपभोक्ताओं के हित में है कि निर्यातकों के अनुचित व्यवहार को रोका जाए ताकि वी ए एम उत्पादन करना जारी रख सके और बाजार की जरूरत पूरी कर सके।

इसके अलावा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की जाने वाली पाटनरोधी जांच सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के प्रावधानों द्वारा शासित होती है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को इन प्रावधानों के अंतर्गत सार्वजनिक हित के मुद्दे पर ध्यान देना अपेक्षित नहीं होता है। इसके अतिरिक्त अनेक मामलों में निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नानुसार निर्णय दिया है :—

“.....पाटनरोधी शुल्क लगाने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा, याचिकाकर्ता कंपनियों के ह्रास को रोका जा सकेगा और विचाराधीन उत्पादन के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिल सकेगी। पाटनरोधी उपायों के लागू करने से संबंधित देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।”

स्पष्टतया, प्रस्तावित पाटनरोधी शुल्क को लगाया जाभा उपभोक्ताओं के हितों के प्रतिकूल नहीं होगा और न ही यह सार्वजनिक हित के विपरीत होगा।

(3) अनुचित संरक्षण का परिणाम एकाधिकार होगा

यह कहना अनुचित है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने की परिणति याचिकाकर्ता के एकाधिकार में होगी सर्वप्रथम हमारा यह अनुरोध है कि भारत में कोलिन क्लोराइड के चार उत्पादक हैं। इसके अलावा, जैसा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भी अब तक की कई जांचों में माना है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य आयातों को प्रतिबंधित करना नहीं है। इसका समग्र उद्देश्य निर्यातकों द्वारा अपनाए गए पाटन के व्यवहार को समाप्त करना है। विभिन्न जांचों में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निम्नानुसार निर्णय किया है।

(4) भारत में डब्ल्यू टी ओ विधिशास्त्र में सार्वजनिक हित

सादर निवेदन यह है कि हालांकि सुरक्षोपाय के मामले माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं हैं, तथापि, यह कानून के इस क्षेत्र में किए जा रहे विश्लेषण का संकेतक है। फेनोल के बारे में रक्षोपाय संबंधी निर्णय के सिद्धांतों को माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचारार्थ सादर पुनः प्रस्तुत किया जाता है।

- (2) यद्यपि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अमरीकी डालर के रूप में पाटनरोधी शुल्क की पहले ही सिफारिश कर दी है तथापि अनुरोध है कि अंतिम शुल्क की भी केवल अमरीकी डालर के रूप में ही की जाए ताकि संरक्षण के स्तर में आने वाली कमी का विनिमय दर में परिवर्तनों के कारण प्रभाव न पड़े।
- (3) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच निष्कर्षों में यह स्पष्ट किया है कि सान्द्रण से भिन्न कोलीन क्लोराइड सान्द्रण रखने वाले किसी भी उत्पाद पर समुचित शुल्क लगाया जाएगा। तथापि ऐसा प्रतीत होता है कि शुल्क लगाते समय सिफारिश के इस पहलू की अनदेखी की गई है। हमें निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि अंतिम जांच परिणामों में इस संबंध में वित्त मंत्रालय को समुचित स्पष्टीकरण दिया जाए।

ख. मै. नव महाराष्ट्र चाकन आयल मिल्स लि. पुणे, मै. पाल्ट्री फैडरेशन आफ इंडिया और मै. कंपाउंड लाइव स्टॉक फीड मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन आफ इंडिया, मुंबई ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :—

- (i) यह भी सच है कि अधिकांश कुक्कुट पालक असंगठित क्षेत्र में हैं और वे संगठित ढंग से अपने अभ्यावेदन प्रस्तुत नहीं कर सकते लेकिन प्रत्येक कुक्कुट पालक बढ़ती लागतों के बोझ को अनुभव करता है।
- (ii) भारत में कुक्कुट पालन संभवतः अपने कठिन दौर से गुजर रहा है। आयात प्रतिबंधों में हाल ही के उदारीकरण के परिणामस्वरूप कम कीमत पर होने वाले आयातों के खतरे के साथ अधिक क्षमता से इस उद्योग पर भारी दबाव पड़ रहा है।
- (iii) घरेलू भारतीय कुक्कुट पालन प्रति चिकन लगभग 3 रु. और प्रति अंडा 10 पैसे कमता है। भारतीय कुक्कुट पालक के लिए मुख्य लागत संगठक घारा है जो इसकी लागत के 70% से अधिक बनता है। इस चारे के मुख्य घटक मक्का पर हाल ही में इस बजट में

सीमाशुल्क में बढ़ोत्तरी की गई है। ऐसी खराब स्थिति में इस बात की अधिक संभावना है कि चारे के अनुपूरकों, जो चारे की तुलना में गौण होते हैं, की खपत नहीं की जाएगी।

- (iv) यह मामला रिकार्ड करने योग्य है कि उत्तर भारत में पिछले दो वर्षों में कोई नया कुक्कुट फार्म स्थापित नहीं हुआ है। पश्चिम और दक्षिण की स्थिति भी अच्छी नहीं है जहां महाराष्ट्र में 20/81 सहकारी क्षेत्र के फार्म बन्द कर दिए गए हैं। इसके अलावा दक्षिण में चिकन लैग्स और अंडा दोनों के आयातों में प्रत्याशित वृद्धि के बारे में भारी चिंताएं हैं। यूरोपीय देश मध्य पूर्व को 3.5 रुपए की लागत से अंडों का निर्यात करने में सक्षम हैं जिनके उत्पादन पर 1-1.50 रु. आता है।
- (v) इस मामले में प्रारंभिक शुल्क लगाए जाने के बाद याचिकाकर्ता ने कीमतें 38 रुपए से बढ़ाकर 48 रु. प्रति किलोग्राम कर दी है। इससे पहले से ही बोझ तले दबे पलकों पर क्षयकारी प्रभाव पड़ रहा है।
- (vi) मै. नव महाराष्ट्र चाकन आयल मिल्स और मै. कंपाउंड लाइव स्टॉक फीड मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ने प्रकटन विवरण पत्र के उत्तर में किए गए अनुरोध में यह उल्लेख किया है कि भारत में डब्ल्यू टी ओ विधिशाला संबंधी अनुरोध को उन पर गलत ढंग से लागू किया गया है।
- (vii) प्रकटन विवरण पत्र के उत्तर में मै. नव महाराष्ट्र चाकन आयल मिल्स और मै. कंपाउंड लाइव स्टॉक फीड मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ने उल्लेख किया है कि हालांकि निर्दिष्ट प्राधिकारी असहयोगी निर्यातकों के लिए याचिकाकर्ता के आंकड़ों पर भरोसा कर और उस प्रकार पाटन मार्जिन को बढ़ाकर घरेलू उद्योग के प्रति दयालु प्रतीत होते हैं तथापि, कथित पाटन उत्पाद पर कोई शुल्क न लगाने अथवा कम शुल्क लगाने की कोई संभावना नहीं होगी। अनुरोध है कि न केवल कम शुल्क के नियम का अनुपालन किया जाए बल्कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निहित विवेकाधिकार का प्रयोग भी इस ढंग से किया जाए जिससे यद्यपि असहयोगी को कोई लाभ न मिले तथापि यह भारताय अर्थ व्यवस्था के आधार स्तर पर पहले से ही बोझ तले दबे उपभोक्ता उद्योग पर और अधिक बोझ न डाले।
- (viii) प्रकटन विवरण पत्र के उत्तर में मै. नव महाराष्ट्र चाकन आयल मिल्स और मै. कंपाउंड लाइव स्टॉक फीड मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ने यह बताया है कि वे याचिकाकर्ता द्वारा घरेलू उद्योग पर प्रभाव के बारे में किए गए विश्लेषण को स्वीकार किए बिना यह उल्लेख करना चाहेंगे कि कुक्कुट उद्योग एक बहुत ही कठिन दौर से गुजर रहा है। कुक्कुट पालकों का चिकन के आयातों से सामना हो रहा है। चिकन और अंडों पर प्राप्त लाभ भारी दबाव में है। लागत में किसी भी प्रकार की वृद्धि से कुक्कुट पालकों की स्थिति पर प्रतिकूल एवं क्षीणकारी प्रभाव पड़ेगा। वास्तव में कुक्कुट उद्योग की अन्य चारा निविष्टियां इस मंच में पाटनरोधी शुल्क के अधीन हैं।

घ. मै. एकजो नोबल, नीदरलैंड ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं—

इस जांच के संबंध में हम कीमत वचनबद्धता तंत्र के इच्छुक होंगे।

प्राधिकारी द्वारा जांच

कुक्कुट उद्योग पर संभावित प्रभाव के बारे में उपभोक्ता संघों द्वारा किए गए अनुरोधों को प्राधिकारी नोट करते हैं। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि समग्र चारा लागत में संबद्ध वस्तु की लागत का प्रभाव काफी कम है और इसलिए उपभोक्ता उद्योग पर पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव कोई खास नहीं होगा। इसके अलावा प्राधिकारी ने वहां क्षति मार्जिन के आधार पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है जहां यह पाटन मार्जिन से कम था। इसलिए प्राधिकारी ने केवल पाटन के कारण हुई क्षति की सीमा तक ही इसमें सुधार किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. एकजो नोबल, नीदरलैंड से संबद्ध वस्तु के निर्यातक, ने कीमत वचनबद्धता फाइल करने की इच्छा व्यक्त की है, और इन्हें यह वचनबद्धता प्रकटन विवरण पत्र में प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था। निर्यातक ने प्रकटन विवरण पत्र में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। ऊपर यथा उल्लिखित कीमत स्तरों पर पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव पड़ने के बावजूद प्राधिकारी मानते हैं कि सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिसे घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः बहाली करना जो कि देश के सामान्य हित में है।

(ख) प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तु के उपयोग से विनिर्मित/उत्पादित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता और कीमत स्तरों पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभ समाप्त होंगे और घरेलू उद्योग के ह्रास को रोका जाएगा और उपभोक्ता उद्योग और उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु के व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

पहुंच मूल्य

संबद्ध वस्तु के लिए पहुंच मूल्य का निर्धारण भारत औसत सी आई एफ निर्यात कीमत, सीमाशुल्कों का लागू स्तर (धारा 3, क, 8ख, 9, 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर) और उतराई प्रभारों के एक प्रतिशत का समायोजन करने के पश्चात् किया गया है।

घ. निष्कर्ष

उपर्युक्त पर विचार करने के पश्चात् यह देखा जा सकता है कि :—

(क) संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है।

(ख) संबद्ध देशों से पाटित संबद्ध वस्तुओं की कम पहुंच कीमत के कारण घटी हुई निवल बिक्री वसूली (एन एस आर) के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है जिसके कारण वित्तीय घाटा हुआ है।

(ग) संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी रूपों/संकेन्द्रण जो अध्याय 23 और 29 के अंतर्गत आते हैं, के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

(घ) पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने पर विचार किया गया था ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त किया जा सके। तदनुसार यह प्रस्ताव किया जाता है कि इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा सीमाशुल्क टैरिफ के सीमाशुल्क उप-शीर्ष 2309.9001 और 2923.1001 के अध्याय 23 और 29 के अंतर्गत आने वाली यूरोपीय संघ के क्षेत्र और चीन जनवादी गणराज्य के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी रूपों, ग्रेडों और संकेन्द्रण पर निम्नानुसार निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए :—

क्र. सं.	निर्यातक/उत्पादक का नाम	उत्पाद	शुल्क की राशि (यू एस) डालर/मी. टन
1.	यूरोपीय संघ क्षेत्र		
	मै. एकजो नोबल कैमिकल्स एस पी ए	कोलीन क्लोराइड 60% किसी भी कैरियर का संकेन्द्रण	102.9
	इटली मै. एकजो नोबल फंक्शनल	कोलीन क्लोराइड 100% किसी भी कैरियर का संकेन्द्रण	171.5
	कैमिकल बी वी, नीदरलैंड	कोलीन क्लोराइड 50% किसी भी कैरियर का संकेन्द्रण	85.75
		कोलीन क्लोराइड 70% किसी भी कैरियर का संकेन्द्रण	120.05
	अन्य निर्यातक/उत्पादक	कोलीन क्लोराइड 60% किसी भी कैरियर का संकेन्द्रण	208.1
		कोलीन क्लोराइड 100% किसी भी कैरियर का संकेन्द्रण	346.8
		कोलीन क्लोराइड 50% किसी भी कैरियर का संकेन्द्रण	173.4
		कोलीन क्लोराइड 70% किसी भी कैरियर का संकेन्द्रण	242.8
	चीन जनवादी गणराज्य	कोलीन क्लोराइड 60% किसी भी कैरियर का संकेन्द्रण	293.6
	सभी निर्यातक/उत्पादक	कोलीन क्लोराइड 100% किसी भी कैरियर का संकेन्द्रण	489.33
		कोलीन क्लोराइड 50% किसी भी कैरियर का संकेन्द्रण	244.7
		कोलीन क्लोराइड 70% किसी भी कैरियर का संकेन्द्रण	342.5

(ङ) जैसा कि उपरोक्त पैरा ग(i) में प्राधिकारी द्वारा नोट किया गया है, संबद्ध वस्तु विभिन्न संकेन्द्रणों के साथ विभिन्न कैरियरों में उपलब्ध हैं। जैसाकि पैरा घ(घ) में निर्धारित किया गया है, कैरियर के किसी कॉब बेस बेजिटेबल बेस अथवा सिलिका बेस में संबद्ध वस्तु के 50%, 60%, 70% और 100% संकेन्द्रणों के लिए पाटन रोधी शुल्कों की सिफारिश की गई है। संबद्ध वस्तु के संकेन्द्रण की किसी अन्य मात्रा के लिए आनुपातिक रूप से पाटनरोधी शुल्क की राशि निर्धारित होगी अर्थात् 40% कोलीन क्लोराइड पर 68.6 डालर/मी. टन का शुल्क लगेगा, अर्थात् मै. एकजो नोबल कैमिकल्स एस पी ए, इटली और मै. एकजो नोबल फंक्शनल कैमिकल्स बी वी नीदरलैंड के संबंध में निर्धारित 100% कोलीन क्लोराइड का 40% शुल्क।

(च) उपरोक्त के अधीन, प्राधिकारी दिनांक 22-2-2001 के प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

(छ) इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

एल. बी. सप्तश्रुति, निर्दिष्ट प्राधिकारी एवं अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)****FINAL FINDINGS**

New Delhi, the 26th November, 2001

Subject : Anti-Dumping investigation concerning imports of Choline Chloride from territory of European Union and Peoples Republic of China.

59/1/2000-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of anti-dumping duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof :

A PROCEDURE

The procedure described below has been followed:

- (i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from M/s Vam Organic Chemicals Ltd. (hereinafter also referred to as petitioner) having registered office at Plot No.1 A, Sector-16A, Institutional Area, Noida - 201 301 on behalf of domestic industry, alleging dumping of Choline Chloride (hereinafter also referred to as subject goods) originating in or exported from territory of European Union and People's Republic of China and USA.

- (ii) Preliminary scrutiny of the application filed by the petitioner revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was, therefore, considered as properly documented.
- (iii) The Authority on the basis of prima-facie evidence as received decided to initiate the investigation against imports of subject goods from territory of European Union and People's Republic of China (hereinafter referred to as subject countries). As the petitioner could not furnish prima-facie evidence on dumping of the subject goods from USA, the Authority did not initiate any proceedings against imports of subject goods from USA. The Authority notified the Delegation of the European Commission and the Embassy of the People's Republic of China in New Delhi (hereinafter also called Embassies of the subject countries) about the receipt of the dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rules.
- (iv) The Authority issued a public notice dated 6.12.2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under Custom Code 2309.9001 and 2923.1001 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from territory of European Union and Peoples Republic of China.
- (v) The Authority notified preliminary findings dated 22.2.2001 and forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the

preliminary findings within forty days of the date of the letter.

- (vi) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassy of the subject countries in New Delhi with a request that the exporters/producers of subject goods and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings in the time frame as stipulated in (v) above.
- (vii) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by petitioner) and industry/user associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2).
- (viii) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 27.4.2001. All parties presenting views were requested to file written submissions of the views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
- (ix) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request;
- (x) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of subject goods made in India during the past three years, including the period of investigation.
- (xi) Arguments raised by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been

brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties subsequently have been appropriately dealt in the preliminary findings and/or these findings;

- (xii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 8.11.2001. Request for extension was made by certain interested parties which was considered by the Authority and extension was granted upto 16.11.2001. Comments received on the same have also been duly considered in these findings.
- (xiii) *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- (xiv) The period of investigation (POI) considered is 1.4.1999 to 30.9.2000

B. VIEWS OF DOMESTIC INDUSTRY, EXPORTERS, IMPORTERS, USER ASSOCIATIONS AND OTHER INTERESTED PARTIES & EXAMINATION BY AUTHORITY

The views expressed by various interested parties have been discussed in the preliminary findings and also in the disclosure statement. The views which have not been discussed earlier in the preliminary findings and disclosure statement and those now raised in response to the disclosure statement are discussed in the relevant paras herein below to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by

the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in the relevant paras herein below.

C.1 PRODUCT UNDER CONSIDERATION

The Authority notes that the following arguments have been made by the various interested parties on the product under consideration :-

a) M/s Nav Maharashtra Chakan Oil Mills Ltd

(i) Choline Chloride a supplement not a feed:-

It must be clarified that choline chloride is not a feed but a supplement in the poultry feed. Its main purpose is to counter the alfo toxins produced thus reducing the load on the chicken liver.

b) Domestic Industry

- (i) Whether Choline Chloride is a feed additive or a feed supplement, it is clarified that the product under consideration is Choline Chloride and the product being produced by the domestic industry is a like article to the product being imported. There is no dispute even on this account. Such being the case, the distinction pointed out by the importer is hardly of any consequence in the on-going investigations.

EXAMINATION BY AUTHORITY

The Authority notes the various submissions made by the interested parties and also notes that even though choline chloride is a feed supplement, it is known as choline chloride and

as such there is no dispute on this nomenclature. The Authority noting that as there is no other dispute on the Product Under Consideration and that none of the interested parties have raised any issue in response to the disclosure statement, therefore, confirms the product under consideration as clarified in para C(1) of the preliminary findings as follows:

"The product under consideration in the present investigation is Choline Chloride, a kind of animal compound feed, is a quaternary ammonium compound, which is colourless, viscid and strongly alkaline.

The product is generally referred to as B Complex Vitamin, which is basically poultry, feed supplement. The product is classified under Chapter 23 (2309.9001) of the Customs Tariff Act and also the Liquid Choline Chloride under Chapter 29 (2923.1001). The manufacturing process is as under: -

The product is manufactured in three steps batch process, which involves neutralization of Hydrochloric Acid with Trimethyl Amine to form Trimethyl Amine Hydrochloride. Ethylene Oxide is then added to Trimethyl Amine Hydrochloride to form Choline Chloride solution. The solution is then concentrated under vacuum to a pre determined percentage solution. Dry Choline Chloride is produced by blending in a mixer batch wise Liquid Choline Chloride with solid carriers. This blend is then fed to a Rotary Dryer where moisture is removed. This is then fed in Rotary Cooler to bring down the temperature of the mass to Atmospheric Temperature. Finally the dry choline chloride is Milled and filled in bags.

The carrier normally used is a Silica, corn Cob powder or similar absorbent powder derived from agro-waste materials. The carrier is used merely to carry the product, Choline chloride. The commercial nomenclature of the product depends upon the

carrier used and the concentration of Choline. In case the carrier used is corn cob, the product is commercially called Choline Chloride Corn Cob base. If the carrier used is vegetable, it is known as Choline Chloride Vegetable base. The concentration of Choline Chloride is also usually mentioned along with the carrier used. In case the concentration is 50% Choline Chloride, it is called Choline Chloride 50% Corn Cob (or vegetable) base. The various grades of Choline Chloride are Choline Chloride on Corn Cob Carrier, Choline Chloride on Silica Carrier and Aqueous Choline Chloride.

The product falls under OGL and attracts the basic duty of 35% with 10% surcharge. The present investigation covers all types, forms and grades of Choline Chloride, regardless of its concentration and the carrier used."

2. STANDING OF THE DOMESTIC INDUSTRY

The Authority notes that there are no submissions made on the standing of the Domestic Industry in response to the disclosure statement and therefore recalls and confirms the Para C(3) of the preliminary findings dated 22.2.2001 as indicated below:-

The petition has been filed by M/s Vam Organic Chemicals Ltd. , having registered office at Plot No.1-A, Sector-16 A, Institutional Area, Noida-201301. The Authority holds that the petitioner a major producer of subject goods in India accounts for almost 70% of the total domestic production, and therefore, satisfies the standing to file the petition on behalf of the Domestic Industry as per Rule 5(a) and (b) and Rule 2(b).

3. LIKE ARTICLE

The Authority notes that there is no dispute and no submissions made on the issue of like article by any interested parties in response to the preliminary findings or to the disclosure statement. The Authority, therefore, recalls and confirms para C(2) of the preliminary findings as indicated below:-

The Authority notes that the petitioner has claimed that goods produced by them and as classified by the Custom Tariff under the Head 2309.9001 and 2923.1001 have no substitute and that there is no significant difference in Choline Chloride produced by the Domestic Industry and that exported from subject countries viza. Domestic and those imported from the subject countries. The consumers of the product are using both the products without making any changes in their production process. Also according to the petitioner's information there is no significant difference in the production process adopted by the petitioner and the producer in the subject countries. The Authority further notes that the cooperative exporter M/s Akzo Nobel Chemicals S.p.A. and the other interested parties viz. importers/users who have responded have not raised any issues on this. The petitioner has submitted that the domestic goods and the imported goods from the subject countries be treated as Like Article.

The Authority, therefore, holds that the subject goods imported from the subject countries and that manufactured by the Domestic Industry are Like Article within the meaning of the Rule 2(d).

4. NORMAL VALUE & EXPORT PRICE

The following submissions have been made:

a) DOMESTIC INDUSTRY

- (i) Dumping margin for M/s Akzo Nobel Chemicals is significantly on the lower side and that the response is incomplete and

insufficient. The exporter has not provided the details of the cost of production. The exporter has not claimed any adjustment on credit cost which the Authority has allowed. The whole response of exporters deserves to be rejected. The dumping margin of M/s Akzo Nobel Chemicals be determined as done for other exporters of European Union. The Designated Authority has determined the dumping for exporters/producers of Peoples Republic of China who have not cooperated on the basis of best available information, which is fully justified.

(b) M/s Akzo Nobel Chemicals S.P.A., Italy and M/s Akzo Nobel Functional Chemical BV. Netherlands (Akzo Nobel) have made the following submissions:-

- (i) M/s Akzo Nobel Chemicals strongly protests against the way of determining selling price of Choline Chloride in European Union on the basis of secondary source when M/s Akzo Nobel Chemicals has provided evidence of its selling prices and in its view the producer is the most reliable source to determine the normal value.
- (ii) The source mentioned in this Article does not reveal any information regarding the selling price of Choline Chloride in the European Union i.e. reduction on the account of being a wholesaler or other special arrangements.
- (iii) As indicated in the notification credit cost for exports from M/s Akzo Nobel to India have been referenced to the local Indian rate of interest for domestic sales. We object to this calculation since the cost of financing credit terms in the European Union are far below the level in India. If required M/s Akzo Nobel will disclose their cost of financing credit terms on a confidential basis. M/s Akzo Nobel asks the Indian Ministry of Commerce & Industry to disclose the

calculation for the determination of the credit cost to compare it with its own calculations. This will allow interested parties to make an objective judgment. M/s Akzo Nobel has substantiated its adjustment in the selling price to their customer in India on account of being a wholesaler. M/s Akzo Nobel has clearly stated, in signed statement, the pricing strategy to distributors in general. The rejection of the adjustments for wholesalers not being substantiated, cannot be accepted by M/s Akzo Nobel.

- (iv) M/s Akzo Nobel has provided its pricing arrangement with one of the customers in the domestic market.

c) M/s Compound Livestock Feed Manufacturers Association, M/s Poultry Federation of India and M/s Nav Maharashtra Chakan Oil Mills Limited

- (i) M/s Nav Maharashtra Chakan Oils Mills Limited would like to put on record that full and complete details have been provided from Europe. The prices at which choline chloride is being exported to India are comparable to global prices. The landed prices of choline chloride in India are 50% higher than the lower price at which it is available in the international market.
- (ii) If for any reason, the Authority considers that this data is not in compliance with the applicable law, it is submitted that best available information as per Rule 6(8b) used.
- (iii) M/s Nav Maharashtra Chakan Oils Mills Limited is not condoning or in any way asking the Hon'ble DA to favour non-cooperating exporters but since the law does not permit the importer and user industry to provide information on normal value, taking only the data provided by the petitioner is unjust to the consuming industry or is also contrary to the

WTO provisions which calls upon the DA to be circumspect while using the data filed by the domestic industry.

- (iv) The decreasing international price is not on account of dumping but rather the reducing cost of production of choline chloride.

EXAMINATION BY AUTHORITY

NORMAL VALUE

M/s Akzo Nobel Chemicals S.P.A., Italy and M/s Akzo Nobel Functional Chemical BV, Netherlands (Akzo Nobel)

The Authority notes the submission made above by various interested parties. The Authority recalls that in Para 4(a) of the preliminary findings, it has been indicated that the domestic prices of the exporter M/s Akzo Nobel are being treated in the ordinary course of trade for the purpose of preliminary determination only, pending final determination. The Authority had deputed a team of officers from the Directorate of Anti Dumping to verify the response filed by M/s Akzo Nobel on domestic selling price, cost of production and export price with adjustments thereof. The Authority on the basis of cost of production of subject goods provided to the verification team notes that the domestic selling price of subject goods in the domestic market are in the ordinary course of trade. The Authority also notes that M/s Akzo Nobel has incurred credit cost for 60 days credit on their domestic sales and have also incurred a freight cost on their domestic sales. The Authority has allowed the adjustments on credit cost and freight to an extent of US\$****PMT and US\$****PMT respectively. The Authority, however, notes that in the absence of no evidence provided by the exporter in regard to any expense incurred on the commission given to their agent in the domestic market, no

adjustments can be granted on account of commission on the domestic sales. The Authority has referenced the domestic selling prices for the purpose of normal value. The normal value after considering the above adjustments comes to US\$****PMT.

As regards the export price, the Authority notes that on the basis of the data given by the exporter, the weighted average CIF price to India comes to US\$****PMT. The Authority notes that the exporter has incurred expenditure on freight (ocean freight, inland freight and other port expenses), commission to their agent in Delhi, ocean insurance and credit cost to an extent of 120 days as indicated in their export invoices. The Authority has considered and allowed adjustments on these elements to an extent of ***, ***, *** and *** \$/MT respectively. The Ex-factory export selling price after allowing these adjustments comes to US\$****PMT.

NON-COOPERATIVE EXPORTERS

In response to the Disclosure Statement, M/s Nav Maharashtra Chakan Oil Mills and M/s Compound Livestock Feed Manufacturers Association(hereinafter referred to as the Interested Opposing Parties) have made the following submissions. Though the submissions have been made on 19.11.2001 after the expiry of the last date i.e. 16.11.2001, the same have been considered and appropriately dealt with.

A. Determination of Normal Value in EU for Non-cooperative exporters:-

At the outset, the interested opposing parties would like to submit the pursuant to Rule 6(5) of the Anti Dumping Rules, the interested opposing parties are permitted to give information on interalia, dumping.

Based on this provision, the interested opposing parties submit that if the Designated Authority is relying on Rule 6(8) of the Anti Dumping Rules, then all relevant information available to the Designated Authority needs to be considered, including that provided by partially cooperating exporters.

It is submitted that the Designated Authority should consider the cost basis of M/s Akzo Nobel as the basis for the determining Normal Value for non-cooperating exporters from the EU. A difference of over 100% in the dumping margin for cooperating and non-cooperating exporters penalizes the consuming industry.

Furthermore, under the best evidence Rule in 6(8), the cost of the raw materials in the EU would not be the "raw material prices at international level to the extent they are available and on the production cost details adjusted on the basis of best practices as provided by the Domestic Industry " as is stated by the Designated Authority. In fact the raw material pricing as available in EU with M/s Akzo Nobel and the manufacturing practices adopted by them.

EXAMINATION BY AUTHORITY

As regards the other exporters/producers of territory of European Union and all exporters/producers of PR China who have not cooperated, the Authority has evaluated normal value and export price as indicated in the preliminary finding by referencing the secondary source information as provided by the petitioner and on the normal value constructed on the basis of information by adopting the raw material prices at international level to the extent they are available and on the production cost details adjusted on the basis of best practices as provided by the petitioner. The Authority notes the above submissions made by M/s Nav Maharashtra Chakan Oil Mills and M/s Compound Livestock Feed Manufacturers Association, recalls the

provisions of Rule 22 in which any new exporter is permitted to apply for a new shipper review if he has not been evaluated during the investigation. In case of any non-cooperating exporter other than such exporters, the Authority is well within the provisions of Anti Dumping Rules to consider the best available information under Rule 6(8).

The Authority recalls and confirms the methodology as illustrated in Para C(1) (ii) of preliminary findings dated 2.2.2001 and as indicated below:-

A) Non-cooperative exporters other than M/s Akzo Nobel Chemicals S.p.A. Italy & M/s Akzo Nobel Functional Chemicals BV. Netherlands

a) Normal Value

The Authority notes that the petitioner has provided a secondary source evidence for the domestic selling prices in the European Territory. Since only one exporter has responded, the Authority considers it appropriate to refer the secondary source for the purpose of determination of the normal value for all exporters other than the cooperative exporter. The normal value for such exporters is referenced at ****\$/MT.

b) Ex-factory export price

The Authority notes that the petitioner has provided details of the month-wise CIF export prices and quantities to India of the subject goods in the POI. The petitioner has sought adjustments on ocean freight, ocean insurance, commission, inland freight, port handling to an extent of ****, ****, ****, **** & ****\$/MT respectively. The weighted average ex-factory export price for the non-cooperating exporters by considering the average CIF prices and adjustments as indicated by the petitioner except ocean freight for

which data provided by the cooperative exporter has been referenced. comes to ****\$/MT.

B. NON-COOPERATIVE EXPORTERS/PRODUCERS OF PR CHINA

i) M/s Yixing Akzo Nobel Sanyuan Chemicals Co. Ltd. Dushan, PR China

The Authority notes that the exporter has indicated that they have not made any exports of the subject goods in the POI to India. The Authority, therefore, notes that Rule 22 of the Anti-Dumping Rules would be attracted for the above exporter. The exporter should make application accordingly under the Rules. Till such time their case is take up for review under Rule 22, they shall be covered under the category of "all exporters/producers in Para (C) below.

C. All exporters/producers

a) Normal Value

The Authority notes that none of the exporters/producers has responded to the questionnaire. The Authority in the absence of the response from exporters/producers, considers it appropriate to construct the normal value for such exporters/producers. For the purpose of construction of the normal value, the Authority has referenced the best available information by considering the cost of production of subject goods and by making appropriate adjustments on capacity utilisation and bench marking best utilisation practices and international raw material prices. The weighted average normal value comes to ****\$/MT.

b) Ex-factory export price

The Authority notes that the petitioner has provided the weighted average CIF price of imports of subject goods from PR China in POI. The petitioner has also claimed adjustments on ocean freight, ocean insurance, commission, inland freight, port handling to an extent of ****, ****, ****, **** and ****\$/MT. The weighted average Ex-factory Export Price is considered at ****\$/MT.

5. DUMPING-COMPARISON OF NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE

The rules relating to comparison provides as follows:

"While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

The Authority has carried out comparison of weighted average normal value with the weighted average ex-factory export price for evaluation of dumping margin.

The dumping margin for the producers/exporters of the subject goods in the subject countries are as under:--

Exporter/producers	Normal value (\$/MT)	Export price (\$/MT)	Dumping margin(%)
<u>Territory of European Union</u>			
M/s Akzo Nobel Chemicals S.p.A. Italy & M/s Akzo Nobel Functional Chemicals BV, Netherlands	*****	*****	19.09
All other exporters/producers	*****	*****	49.46
<u>PR China</u>			
All exporters/producers	*****	*****	81.86

The above dumping margins are above the de-minimus limits

6. INJURY AND CAUSAL LINK

Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".....taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

The following submissions have been made by various interested parties

(a) DOMESTIC INDUSTRY

- (i) The Designated Authority has already acknowledged the injury caused to the domestic industry from the dumped imports from European Union and China. We have already provided detailed information to the Designated Authority, which is not being repeated herein for sake of brevity, which shows that the domestic industry has suffered material injury from the dumped imports.
- (ii) The following parameters summarize injury to the domestic industry:
 - (a) Imports from each of the subject countries are more than de-minimus.
 - (b) The imports were only from the subject countries in the period April 99 to June 2000
 - (c) The imports from the subject countries have increased in absolute terms.
 - (d) The imports from the subject countries have increased related to consumption of choline chloride

in India. Market share of subject countries in imports as well as demand has increased significantly

- (e) Export price from subject countries have declined significantly
 - (f) Though the petitioner has been able to maintain its production, sales and capacity utilization, its share in demand has not increased proportionately.
 - (g) The imports have forced the domestic industry to reduce its prices in spite of increase in the cost of production. The imports are causing severe price undercutting in the Indian market. The landed value of the imported material is significantly below the selling prices of the domestic industry.
 - (h) The landed value of the imported material was significantly below the cost of production and fair selling price of the domestic industry and has prevented the industry from recovering its cost of production.
- (iii) All parameters collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury from the dumped imports.

In view of the foregoing, it is submitted that the preliminary findings is required to be confirmed with regard to injury and causal link.

b) M/s AKZO NOBLE

- I. M/s Akzo Nobel strongly questions the reliability of data that has been used in some parts of investigation. It has

been stated that the imports from European Union have increased from 1.22 mt in 1998-99 to 636 mt in the period of investigation. As indicated in our export statistics, imports in 1998-99 from M/s Akzo Nobel have been higher than stated. This means that the increase in volume of imports and its increase in market share are not correct. Consequently the injury to the domestic industry is not as substantial as indicated in the findings.

- II. Based on the remarks made we can only observe that the decision to instigate anti-dumping duties on choline chloride is based on non-reliable or even incorrect information.
- III. For that reason M/s Akzo Nobel requests the Indian Ministry of Commerce & Industry to reconsider the instigation of anti-dumping measures as announced. At the same time M/s Akzo Nobel shall investigate its position in this matter under the pertinent international treaties.
- IV. However, to ascertain the true picture of the petitioner, the accounts of M/s Anichem or all other companies/divisions manufacturing agri-feed prior to the amalgamation will need to be analysed. Injury is not apparent from the financial accounts on the contrary, high profits are. It is respectfully submitted that the Hon'ble DA investigates the same in detail.

Further, from the preliminary findings, it is apparent that the Hon'ble Designated Authority has not considered all the parameters of the injury and causal link as per the Rules. The WTO decision in the Bed Linen case is on point. It is noteworthy that the panel therein upheld the Indian Government view that all the parameters contained in the Agreement on Dumping need to consider in a finding of injury. It is appropriate and just that the

Hon'ble Designated Authority follows the same even though it is not binding upon the Designated Authority .

The Authority after considering the above submissions observes the following-

- (i) The Authority notes that the subject goods are imported under customs tariff head 2309.1001 as "compound animal feed" and under 2923.1001 as "Liquid Choline Chloride". The nomenclature "compound animal feed" being a broad and generic classification includes products other than subject goods also. As there are only a few major importers of the subject goods in the POI, the Authority has referenced the export data as provided by M/s Akzo Nobel and port-wise secondary source import data provided by the petitioner for evaluation of total imports. In this regard the Authority also notes that M/s Akzo Nobel in its response has indicated that imports volume may be correlated with the data provided by them.
- (ii) The Authority notes that the imports from China PR have increased from 4 MT in 1998-99 to 25 MT (Annualised- 16.7 MT) in POI. The imports from territory of European Union have increased from about 115 MT in 1998-99 to about 343 MT (Annualised 228 MT) in POI. The percentage of imports from Peoples Republic of China in the total imports constitutes about 6.67% in POI whereas the imports from territory of European Union constitutes about 83%
- (iii) The sales of the petitioner has increased from 852 MT in 1997-98 to 3974 MT in POI (2650 MT annualised). The market share of the petitioner has increased from 41.28% to 62.6% in POI. The production has also increased from 1196 MT in 1997-98 to 2792 MT in 1998-99 and further 3874 MT in POI. The capacity utilisation

has also increased from 11.97% in 1997-98 to 33.15% in POI.

- (iv) The demand of Choline Chloride has increased from about 2064 MT in 1997-98 to about 6348 MT in POI. Demand has, therefore not been a factor for cause of injury to the Domestic Industry.
- (v) Though the market share, production and sales of the petitioner have increased, the Authority notes that the petitioner has been forced to sell the subject goods below the Non Injurious Price (NIP) in the POI on account of price suppression caused by the dumped imports from the subject countries, leading to unremunerative prices and consequentially financial losses.

The above factors collectively and cumulatively indicate that the dumped imports have kept the domestic prices depressed in the Indian market thereby causing injury to the Domestic Industry by way of depressed Net Sales Realisation leading to financial losses.

7. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

A. DOMESTIC INDUSTRY

The following submissions have been made:

(i) STATE OF POULTRY FARM IN INDIA AND IMPACT OF PROPOSED MEASURES

Whole argument made by the importer is related to problems being faced by the poultry industry and threat of injury to this industry from the recent liberalization step taken by the Government. We submit that whole argument of the domestic

industry deserved to be ignored as the issue is beyond the scope of the present investigations. The investigations in the present case relate to Choline Chloride and not to the poultry farm industry.

Notwithstanding above, we submit that imposition of anti-dumping duty would not effect the poultry business, however, it would lead to survival of whole Choline Chloride Industry as is evident from the table below.

Recommended dose of Choline chloride / ton of feed	500 grams
Feed consumed during life cycle of chicken	3 kgs.
Weight of chicken	1.5 kgs
Feed consumed per kg of chicken	2 kgs.
Choline chloride consumed per Kg of chicken	1 gm
Impact of anti dumping duty on the cost of chicken (considering \$ 272/ton on product from European Union)	Paise 1.2
Cost of feed per Kg of chicken	Rs. 20
Selling price of chicken	Rs. 40/Kg.

It is evident from the above, impact of anti-dumping duty would impact on Chicken for 1.2 paise, which is minimal. Such miniscule is the impact of the proposed measures that it can hardly be argued that there could be any adverse impact on the consumers.

(ii) PUBLIC INTEREST:

With regard to public interest, it is submitted that the prices of Choline Chloride in India were significantly higher before VAM came into production. In fact, as argued in the

petition also, the export price declined as shown below:

Year	US \$ Per MT
1997-98	734.99
1998-99	699.34
1999-00	606.44
2000-01*	570.11

The market price of Choline Chloride was as high as Rs. 70 per kg. before VAM came into production. The significant decline in the export price is due to entry of VAM in the production of the subject goods. Thus, it is in the interests of the consumers that unfair activities of the exporters are restricted so that VAM continues to be in production and caters to the market.

Further, the Anti Dumping investigations being undertaken by the Designated Authority are governed by the provisions made under Customs Tariff Act, 1975 and Rules made thereunder. The Designated Authority is not required to look into the issue of public interest under these provisions. Moreover, in various investigations, the Designated Authority held as under:

" imposition of Anti Dumping Measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline in petitioner companies and maintain availability of wider choice to the consumers of the product under consideration. Imposition of Anti Dumping Duty would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers".

Evidently, imposition of the proposed anti-dumping duty would not be against the interests of the consumers and would not be contrary to the public interest.

(iii) WRONGFUL PROTECT WOULD RESULT IN MONOPOLY:

It is inappropriate to say that the imposition of anti-dumping duty would result in monopoly to the petitioner. Firstly, we submit that there are four producers of Choline Chloride in India. Further, as also acknowledged by the Designated Authority in a number of investigations so far, the purpose of imposition of Anti Dumping Duty is not to restrict the imports. Its whole purpose is to eliminate the dumping practice resorted by the exporters. In various investigations, the Designated Authority held as under:

(iv) PUBLIC INTEREST IN WTO JURISPRUDENCE IN INDIA

It is respectfully submitted that while the safeguard cases are in no way binding upon the Hon'ble Designated Authority, it is indicative of the analysis being made in this area of the law. With utmost respect the dicta in the safeguard decision on phenol is reproduced for the consideration of the Hon'ble Designated Authority.

- (ii) Though the Designated Authority has already recommended anti-dumping duty in terms of US\$, it is submitted that the final duties may also be recommended in terms of US\$ only, so that erosion in the quantum of protection does not take place on account of changes in the exchange rate.
- (iii) The Designated Authority has clarified in the preliminary findings that any product having choline chloride concentration different from the specified concentration would attract proportionate duty. However, it appears that this aspect of the recommendation seems to have been overlooked while imposing the duties. We request the Designated Authority so suitably clarify to the Ministry of Finance in this regard in the final findings.

B. M/s Nav Maharashtra Chakan Oil Mills Ltd. Pune, M/s Poultry Federation of India and M/s Compound Livestock Feed Manufacturers Association of India, Bombay submits the following:

- (i) It is also a fact that most poultry farmers are in the unorganized sector and cannot make their representations in an organized manner, however, each one experiences the pain of increasing costs.
- (ii) Poultry farming is perhaps facing its most severe test in India. Over capacity, coupled with the threat of low priced imports coming in as a consequence of the recent liberalization in import restrictions is putting severe pressure on the industry.
- (iii) The domestic Indian poultry farmer earns approximately Rs.3 per chicken and 10 paise per egg. The main cost component for the Indian poultry farmer is the feed - it amounts to over 70% of its cost. Maize, the main ingredient of this feed has recently seen the customs duty increased in the recent budget. With this grim situation, it is more than likely that the feed supplements, which are dispensable in comparison to the feed, will not be consumed.
- (iv) It is a matter of record that no new poultry farms have come up in the past two years in the North of India. The plight in the West and South is no better with 20/81 cooperative sector farms in Maharashtra having closed down. Further, in the South there are severe worries about the anticipated influx of imports of both chicken legs and eggs. European countries are able to export eggs costing Rs.3.5 to produce for Rs.1-1.50 to the Middle East.

- (v) The petitioner has already increased prices from Rs.38/- to Rs.48/- per kg after the imposition of preliminary duties in this matter. The same is having a devastating effect on the already burdened farmers.
- (vi) M/s Nav Maharashtra Chakan Oil Mills and M/s Compound Livestock Feed Manufactures Association have indicated in the submission in response to the disclosure statement that submission on WTO jurisprudence in India has been erroneously attributed to them.
- (vii) In response to the disclosure statement M/s Nav Maharashtra Chakan Oil Mills and M/s Compound Livestock Feed Manufactures Association have indicated that while the Designated Authority appears to be sympathetic to the plight of the consuming industry, by relying upon the petitioner's data for non-cooperating exporters and thus inflating the dumping margin, all possibility of no or low duties on the allegedly dumped product will be impossible. It is respectfully submitted that not only must the lesser duty rule be followed, the discretion vested in the Designated Authority must be exercised in a manner which although does not put a premium on non-cooperation, it does not overly burden an already burdened consuming industry, at the grass roots of the Indian economy.
- (viii) M/s Nav Maharashtra Chakan Oil Mills and M/s Compound Livestock Feed Manufactures Association have indicated in response to the disclosure statement that they without accepting the analysis on the impact on the industry made by the petitioner, it would like to point out that the poultry industry is going through a very trying period. Poultry farmers are faced with imports of chickens. Profits on chickens, as well as eggs are under tremendous pressure. Any increase in costs will have a domino and spiraling effect

on the plight of the farmer. In fact other feed inputs of the poultry industry have been subjected to Anti Dumping Duty in this forum.

D. M/s Akzo Nobel, Netherlands has made the following submissions:-

We would be interested in a price undertaking mechanism in respect of this investigation.

EXAMINATION BY AUTHORITY

The Authority notes the submissions made by the user associations on the likely impact on the poultry industry. The Authority in this regard notes that the incidence of cost of the subject goods in the overall feed cost is quite low and therefore the impact of anti dumping duty on the user industry would not be significant. Moreover the Authority has recommended levy of definitive anti dumping duty on the basis of the injury margin wherever it was lower than the dumping margin. Therefore it is only the extent of injury on account of dumping which has been redressed by the Authority. The Authority notes that after M/s Akzo Nobel, the exporter of the subject goods from Netherlands had indicated desire to file a price undertaking, it was provided an opportunity to offer the same in the disclosure statement. The exporter has not filed any response to the disclosure statement. Despite the impact of anti dumping duty on the price levels as indicated above, the Authority holds that the purpose of anti-dumping duties, in general, is only to eliminate dumping, which is causing injury to the domestic industry and to

re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

The Authority recognises that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products which manufactured/produced with the usage of the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness and price levels of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices and would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice of the subject goods to the user industry and the consumers. Imposition of anti-dumping measures would also not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

LANDED VALUE

The landed value has been determined for the subject goods after adding on weighted average CIF export price, the applicable level of custom duties (except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A) and one percent towards landing charges.

D. CONCLUSIONS:**It is seen, after considering the foregoing that:**

- (a) The subject goods in all forms originating in or exported from the subject countries have been exported to India below its normal value.
- (b) The domestic industry has suffered material injury by way of depressed Net Sales Realization (NSR) on account of price suppression caused by low landed prices of the dumped subject goods from the subject countries leading to financial losses.
- (c) The injury has been caused to the domestic industry by dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries. The authority recommends anti-dumping duty on imports of all forms/concentration of subject goods falling under Chapter 23 and 29 originating in or exported from the subject countries.
- (d) It was considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less so as to remove the injury caused to the domestic industry. Accordingly, it is proposed that definitive anti dumping duties as set out below be imposed, by the Central Government on all forms, grades and concentration of subject goods originating in or exported from territory of European Union and Peoples Republic of China falling under Chapter 23 and 29 of the Customs sub-heading 2309.1001 and 2923.1001 of the Customs Tariff.

SI. No..	Name of the exporter/producer	Product	Amount of Duty (US\$/MT))
1.	<u>Territory of European Union</u>		
	M/s Akzo Nobel Chemicals S.p.A, Italy and m/s Akzo Nobel Functional Chemical BV. Netherlands	Choline chloride 60% concentration on any carrier	102.9
		Choline chloride 100% concentration on any carrier	171.5
		Choline chloride 50% concentration on any carrier	85.75
		Choline chloride 70% concentration on any carrier	120.05
	All other exporters/producers	Choline chloride 60% concentration on any carrier	208.1
		Choline chloride 100% concentration on any carrier	346.8
		Choline chloride 50% concentration on any carrier	173.4
		Choline chloride 70% concentration on any carrier	242.8
	<u>PR China</u>		
	All exporters/producers	Choline chloride 60% concentration on any carrier	293.6
		Choline chloride 100% concentration on any carrier	489.33
		Choline chloride 50% concentration on any carrier	244.7
		Choline chloride 70% concentration on any carrier	342.5

- (e) As noted by the Authority in foregoing para C(1), the subject goods are available on different carriers with different concentration. The anti-dumping duties as set out in Para D(d) are

recommended for 50%, 60%, 70% and 100% concentration of subject goods in any form and on any type of carrier viz. corn cob base, vegetable base or silica base. The amount of anti dumping duty would be determined proportionately for any other extent of concentration of the subject goods i.e. 40% Choline Chloride would attract duties of 68.6\$/MT, i.e. 40% of the duty prescribed for 100% Choline Chloride in respect of M/s Akzo Nobel Chemicals S.p.A., Italy and M/s Akzo Nobel Functional Chemical BV, Netherlands.

- (f) Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 22.2.2001
- (g) An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise, Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority and Addl. Secy.